

शिकस्त स्त्री. (फा.) 1. हार, पराजय, पराभव 2. कबाड़, अनुपयोगी पदार्थ 3. हिज्जों के बिना सरपट लिखी उर्दू की लिखाई।

शिकस्ता वि. (फा.) अनुपयोगी, टूटा-फूटा, बेकार, खंडित।

शिकस्तादिल वि. (फा.) 1. अप्रिय स्थितियों से पीड़ित, खंडित हृदय 2. निराश, नाउम्मीद 3. दुःखी।

शिकस्तानवीस वि. (फा.) बिना हिज्जों के सरपट उर्दू अथवा फारसी लिखने वाला, घसीट लिखाई लिखने वाला।

शिकायत स्त्री. (अर.) 1. उत्तरदायित्व न निभाए जाने के विषय में कथन, परिवाद 2. निंदा, बुराई 3. शरीर में किसी प्रकार की अव्यवस्था।

शिकायतनामा पुं. (अर.) 1. शिकायत दर्ज करने की पुस्तिका, परिवाद पुस्तिका 2. शिकायत की सूची।

शिकायती वि. (अर.) 1. शिकायत संबंधी, शिकायत का, शिकायत वाला 2. शिकायतें लगाने वाला।

शिकार पुं. (फा.) 1. जंगली पशुओं को मारने अथवा पकड़ने का कार्य, घायल करके पकड़ने का कार्य 2. बलशाली पशुओं द्वारा भोजन के लिए कमजोर पशुओं को पकड़ने का कार्य, आखेट 3. चालाकी से किसी को अपने वश में करने का कार्य।

शिकारगाह स्त्री. (फा.) 1. शिकार करने का निश्चित जंगल 2. खेल के रूप में शिकार खेलने का निश्चित स्थल।

शिकारा पुं. (देश.) 1. दो-चार व्यक्तियों के बैठने के लिए बनाई गई सुसज्जित नौका, (कश्मीर के जलीय क्षेत्रों में विशेष रूप से प्रयुक्त)।

शिकारी वि. (फा.) शिकार करने वाला व्यक्ति अथवा पशु पुं. शिकार करने वाला व्यक्ति।

शिकारी कुत्ता पुं. (तत्.) 1. कुत्तों की वह जाति जो शिकार करने में सहायक हो 2. शिकार करने वाले कुत्तों की जाति।

शिक्षक पुं. (तत्.) सिखाने वाला व्यक्ति, शिक्षा देने वाला व्यक्ति, पाठपढ़ाने वाला, अध्यापक, उस्ताद, मास्टर।

शिक्षणीय वि. (तत्.) सिखाए जाने के लिए आवश्यक, सिखाने योग्य।

शिक्षा स्त्री. (तत्.) 1. विद्या सीखने की क्रिया, ज्ञान प्राप्त करने का काम, तालीम 2. पढ़ने लिखने का काम 3. उपदेश, सीख।

शिक्षार्थी पुं. (तत्.) 1. शिक्षा प्राप्त करने वाला, छात्र/छात्रा विद्यार्थी 2. सीखने का इच्छुक, शागिर्द, शिष्य।

शिक्षालय पुं. (तत्.) शिक्षा प्राप्त करने का स्थान, विद्यालय, महाविद्यालय, पाठशाला, शिक्षाणालय, स्कूल, मदरसा।

शिक्षाविद् पुं. (तत्.) शिक्षा प्रदान करने वाला विद्वान, ज्ञानसिखाने वाला विशेषज्ञ, तालीमदान।

शिक्षित वि. (तत्.) 1. विद्या प्राप्त किया हुआ, पढ़ा-लिखा, शिक्षा से संपन्न, तालीम याफ़ता 2. साक्षर 3. शिष्ट, सभ्य, संस्कार वाला।

शिक्षु पुं. (तत्.) सीखने वाला व्यक्ति, शिष्य, शागिर्द विद्यार्थी, छात्र, छात्रा।

शिक्ष्यमान वि. (तत्.) सीखने की प्रक्रिया में लगा हुआ, शिक्षा प्राप्ति के कार्य में व्यस्त।

शिखंड पुं. (तत्.) 1. सिर के उच्चतम भाग पर ब्राह्मणों द्वारा रखा जाने वाला बालों का लंबा गुच्छा, शिखा, चोटी 2. कनपट्टी पर रखे गए लंबे बाल, कलमें 3. मोर की पूँछ, मयूर पुच्छ।

शिखंडनी वि. (तत्.) 1. शिखावाला 2. काकपक्षवाला स्त्री. 1. मयूरी, मोरनी 2. पीली जूही 3. महाभारत में राजा द्रुपद की पुत्री, जो बाद में पुरुष बनी।

शिखंडिन पुं. (तत्.) ग्यारह वर्षों का एक समवर्णिक छंद।